an>

Title: Regarding terrorist attack in Gurdaspur, Punjab.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): A serious incident has happened in Gurdaspur...(*Interruptions*) . The Government wants to make a statement. After this encounter is over, the Home Minister will make a statement about the Gurdaspur incident. This is an important issue concerning the national security...(*Interruptions*).

I would request the hon. Speaker to allow the Home Minister afterwards. We will be taking the House into confidence and make a statement on Gurdaspur encounter...(*Interruptions*). Still the encounter is on and once it is over, we will make a statement...(*Interruptions*)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : मैडम स्पीकर, मैं मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स से सहमत हूं।...(व्यवधान) गुरुदासपुर में जो बहुत गम्भीर इंसीडेंट हुई है, जिसका अभी मुकाबला चल रहा है, वह बहुत संवेदनशील है।...(व्यवधान) मैं इनसे अपील करना चाहता हूं कि देश के हित में, देश के लोगों के हित में आप दो मिनट के लिए यह जो गुरुदासपुर में घटना हुई है, उस पर हमें चर्चा कर लेने दीजिए और गृह मंत्रालय से रिपोर्ट आ जाने दीजिए।...(व्यवधान) यह देश की सुरक्षा का मामला है, देश के हितों का मामला है। ...(व्यवधान) पंजाब को बर्बाद किया जा रहा है और ये लोग तमाशा देख रहे हैं।...(व्यवधान) इनको इसका नोट लेना चाहिए। मैं समझता हूं कि पंजाब ने पिछले दो दशकों में बहुत नुकसान उठाया है। ...(व्यवधान) बाहरी फोर्सेज़ मिलकर पंजाब को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। ...(व्यवधान) वहां लोग खतरे में हैं और वहां लोग मारे गये हैं। वहां लोगों के घरों में बहुत अफसोस है।...(व्यवधान) ये तमाशा देख रहे हैं, इनको रोका जाये।...(व्यवधान) वहां की जो इंसीडेंट है, उसके साथ इन्हें सामने आना चाहिए।...(व्यवधान) आज राष्ट्र देख रहा है और राष्ट्र के लोग हमारी सरकार से कुछ जानना चाहते हैं और ये लोग तमाशा देख रहे हैं, इन लोगों को रोका जाये। ...(व्यवधान) गुरुदासपुर की जो इंसीडेंट हुई है, उसके साथ सामने आना चाहिए और मैं समझता हूं कि सारे हाउस को इसकी जोरदार निन्दा करनी चाहिए और सब की एक आवाज होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री दुष्यंत चौटाला को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग): महोदया, मैं दीनानगर में सुबह 5.30 बजे आतंकवादियों द्वारा हमला हुआ है और जम्मू जा रही बस के ऊपर आतंकवादियों ने हमला किया, उसमें कई लोगों की कैजुअलिटी हुई है और अभी भी थाने को बंधक करके रखा हुआ है।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से पंजाब, जो शान्ति से अभी चल रहा था, उसको अशान्त करने की बोर्डर के उस पार से जो कोशिश चल रही है और आन्तरिक सुरक्षा को बिगाड़कर देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश हो रही है,...(व्यवधान) ऐसे हालात में मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि सरकार बयान दे कि उस पर क्या कार्रवाई हो रही है और यह सदन उस पर चर्चा करे और चर्चा करके बोर्डर पार से जो आतंकवाद हमारे देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, उसके लिए एक यूनानिमस रैजोल्यूशन पास किया जाये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री पी.पी. चौधरी,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री एस.एस.अहलुवालिया के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : महोदया, यह गंभीर मामला है।...(व्यवधान) सरकार ने इसे ऑलरेडी नोटिस में लिया है।...(व्यवधान) सेंट्रल गवर्नमेंट वहां की स्थिति के बारे में प्रदेश सरकार से बातचीत कर रही है।...(व्यवधान) वहां अभी भी इनकाउंटर चल रहा है।...(व्यवधान) जब इनकाउंटर समाप्त होगा, तब गृह मंत्रालय के द्वारा सरकार वक्तव्य देगी और हम इस पर चर्चा भी करेंगे।...(व्यवधान)

मैं विपक्ष के सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है।...(व्यवधान) कृपया इसमें अंतराल मत कीजिए।...(व्यवधान) इसमें सजनीति नहीं होनी चाहिए।...(व्यवधान) देश की एकता और अखंडता के लिए हम सब लोगों को सदन में एक स्वर में बोलना चाहिए।...(व्यवधान) यह मेरा विपक्ष से अनुरोध है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री हरिओम सिंह राठौड़ जी। क्या आप कुछ कहना चाहते हैं?

तथागत जी, एक मिनट रूकिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी लोग पोस्टर नीचे कीजिए। I am again saying that this is not allowed.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मेरा फिर से आप सभी से अनुरोध है कि this is not allowed. This is against the rule.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : इस पूकार से बैनर्स दिखाना अगेंस्ट-द-रूल है। प्लीज़, इसे नीचे कीजिए। प्लीज़, इसे हटाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा फिर से निवेदन है। It is against the rule.

तथागत सत्पथी जी।

â€¦(व्यवधान)

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): The way the Gurudaspur incident has taken place is a matter of grave concern. It shows that once again on the soil of India terrorism is back with full force. Not only the flags of ISIS is flying high all over Jammu and Kashmir, but it also is a threat. The threat is perceptible. The threat is right here in the country. This is a time when all political parties and the civil society and everybody have to unite and fight this threat to the country. This is not a matter to be politicized. We are not politicizing it. But I would like to beseech through you to the Government that strictest action should be taken. Immense force should be used and India has to stand up as a country that is determined to fight terrorism.

HON. SPEAKER:

Shri P.P. Chaudhary is permitted to associate with the issue raised by Shri Tathagata Satpathy.

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : मैडम, आज जो कुछ पंजाब के गुरदासपुर में दीनानगर में हो रहा है, यह कंडेम्नेबल है। We are one in condemning this terrorist attack. People are still fighting. The Army is there. But the question is the kind of politics we are having in Jammu and Kashmir and in Punjab today. This has resulted in the resurgence of the terrorist groups. The Government has to be blamed for this. Government must come out with facts about what is happening in Punjab and Jammu and Kashmir. Why has there again been a resurgence of terrorism?

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप सब को बताना चाहूंगी कि चूंकि अभी कार्रवाई चल रही है, और जैसा माननीय वेंकैया जी ने कहा, माननीय गृह मंत्री स्वयं आकर सदन में अपना बयान देने वाले हैं। तब तक आप कृपया करके सहयोग कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI A.P. JITHENDER REDDY (MAHABUBNAGAR): Madam Speaker, the Gurudaspur incident is very unfortunate and we all stand by it. Now we want to know as to what exactly is happening. We also welcome the fact that a statement in this regard will be made by the hon. Home Minister...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : इस इश्यू के बारे में तो मैंने कहा है। आप तेलंगाना के इश्यू के बारे में बोलना चाहते थे।

â€¦(व्यवधान)

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी: मैडम, अभी मैं तेलंगाना इश्यू के ऊपर नहीं बोलना चाह रहा हूं। अभी मैं गुरदासपुर के इश्यू के ऊपर बोलना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसके ऊपर तो मैंने बता ही दिया। I am not asking about that, क्योंकि जो माननीय सदस्य प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें बोलने के लिए एलाउ नहीं करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): माननीय अध्यक्ष जी, मैं पहले एडजर्नमेंट मोशन के बारे में बात नहीं करूंगा, इसलिए कि वह तो आपके पास है और उसके लिए हम अलग से विनती करेंगे। लेकिन मेरी एक विनती थी कि जब पंजाब में जो टैरिस्ट अटैक हुआ है तो उसके बारे में बहुत से सदस्यगणों ने अपनी बात को रखा। मैं भी वही बात रखना चाहता था लेकिन मैंने यह समझा कि जब नायडू साहब ने कल जब मुझे सुबह फोन करके कहा कि सारे फैक्ट्स आने के बाद हम इस मुद्दे पर सदन में स्टेटमेंट करेंगे तो मैंने यह समझा कि होम मिनिस्टर साहब सारे फैक्ट्स लाने के बाद और...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जितेन्द्र जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: वहां एनकाउंटर चल रहा था और पूरी घटना के बारे में उनके पास जानकारी नहीं थी तो इसलिए उन्होंने यह सलाह मुझे दी, मैंने यह सोचा कि सुओ मोटो स्टेटमेंट सरकार की तरफ से जब आ रहा है तो इस बात को हम बाद में रखेंगे। हमने ऐसा सोचा था लेकिन गंभीर बात यह है कि इसी सदन में फिर वह सवाल दूसरे सदस्य ज़ीरो ऑवर में उठाएं और मैं भी वही सवाल दोहराना चाहता था, ...(व्यवधान) लेकिन मुझे मौका नहीं मिला तो उस वक्त मुझे बुरा लगा और हम जो धरना या प्रोटैस्ट कर रहे हैं, उससे आप भी बड़ी दुखी थीं लेकिन जब धरना चल रहा था, जब प्रोटैस्ट हो रहा था तो एक घंटा क्वैश्चन ऑवर चला। ...(व्यवधान) 20-25 मिनट प्रश्न काल चला, 45 मिनट्स ज़ीरो ऑवर चला और बहुत सी चीजों पर यहां आपने प्रस्ताव करने के लिए उनको अनुमति दी लेकिन जब उसी माहौल में मैं उठा, माहौल तो कुछ चेंज नहीं हुआ था, लेकिन उस माहौल में मुझे यह कहा गया कि आप उनको वापिस बिठाइए, पहले उनको वापिस बिठाने के बाद तब मैं बोलूं। ...(व्यवधान) यह इंजस्टिस है। यह नाइंसाफी है और यह ठीक नहीं है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please. I am here. I know better.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: माननीय अध्यक्ष जी, अगर सदन में इस तरीके का एटीट्यूड रहा और हमारे बोलने के बावजूद हमें रोका जाता है, हम जो कहना चाहते हैं, देश के लिए हम सभी लोग एक हैं, इसीलिए तो मैंने उस सवाल को आपके कहने पर नहीं उठाया।...(व्यवधान) लेकिन जब दूसरों को मौका मिलता है और कांग्रेस के लोग जब बात करने के लिए ठहरते हैं या दूसरे अपोजीशन के लोग ठहरते हैं तो किसी को भी बोलने का मौका नहीं दिया जाता। यह टैरिस्ट इश्यू सबके लिए बड़ा गंभीर मुद्दा है। जब नेशनल इश्यू पर बात हो रही है तो हमारा फर्ज है कि हम उसमें हिस्सा लें

लेकिन बहुत दुख के साथ मुझे कहना पड़ता है कि आपने हमें इस चर्चा में हिस्सा नहीं लेने दिया। इसकी क्या वजह है?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको बताऊंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: क्यों ऐसा हुआ और किसने इतना प्रेशर डालकर हमें बोलने से रोक दिया, मुझे मालूम नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको बताऊंगी। मैं आपकी बात का उत्तर दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: ऐसा नहीं होना चाहिए था। हम प्रोटेस्ट कर रहे हैं, आपने भी पहले ऐसा किया है। ऐसे कई हैं। ...(व्यवधान) यह डिसरप्शन आज की बात नहीं है। इस डिसरप्शन को समर्थन सुषमा स्वराज जी ने भी दिया है, जेटली साहब ने दिया है, नायडू साहब ने भी दिया है।...(व्यवधान) पंजाब में टैरेरिस्ट घटना हुई है, इसका हम खंडन करते हैं लेकिन सरकार की इंटेलीजेंस कहां गई थी, क्या उन्हें इसके बारे में मालूम नहीं था। इस बारे में एक्शन क्यों नहीं लिया गया?...(व्यवधान) राज्य सरकार भी यह कहती है कि सैंट्रल सरकार का फेल्योर है।...(व्यवधान) दोनों मिलकर हैं।...(व्यवधान) केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि बार्डर पर रक्षा करने की है।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Kharge Ji, it is not fair.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: सरकार अपनी जिम्मेदारी से हट रही है।...(व्यवधान) हम ऐसे एटीट्यूट का खंडन करते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : चंदूमाजरा जी, यहां चर्चा नहीं चल रही है। आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, I am not allowing you.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, the terrorist attack in Punjab has at least been discussed and already Mr. Mallikarjun Kharge Ji has also succeeded to record his speech on the floor of the House. It is a good precedent. I think let this issue be taken up with all priority and we can initiate the discussion at the earliest possible time. No doubt, it is a national issue. Other issues are also there. Those issues are also to be taken care by the Government. Whether it is the issue of corruption or land issue or black money issue, whatever issue it may be, we want to discuss all the issues on the floor of the House and, I think, from somewhere you should begin and start the discussion.

The terrorist issue is to be dealt very firmly by the Government. Let the hon. Home Minister may come on the floor of the House and make his statement at the earliest possible time.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am happy that the Congress Party leader Shri Kharge Ji, one of the senior Members, has made the position of his Party clear.

Madam, I may submit respectfully to the entire House that as soon as I came to know of this incident, I got in touch with the hon. Home Minister. The Home Minister had told me that he was already in touch with the Punjab Chief Minister, and whatever support required from the Centre is being extended to the Punjab Government. Subsequently, it was brought to our notice that there is an encounter going on. So, then I thought it is my duty to inform the other side of what is the thinking in the Government. So, I rank up Shri Kharge Ji this morning and told him, "Sir, this is what is happening." Once the situation becomes clear, then the Government wants to make a statement in the House. He also repeated the same thing. But the point is मैडम, मैंने आपसे भी बात की और अवगत कराया। सदन में कोई भी सदस्य कब क्या इश्यू उठाना चाहते हैं, यह अधिकार उन्हें है। सरकार की तरफ से मैंने इतना ही कहा है कि जो मामला सदस्यों ने उठाया है, इस बारे में बाद में गृह मंत्री जी वहां मुठभेड़ समाप्त होने के बाद एक वक्तव्य देंगे और उस समय किसी को पूछना है तो वह पूछ सकता है, इतना ही सरकार की ओर से कहा है। दुर्भाग्य है, यह इश्यू बहुत गंभीर है, यह पालिटिकल इश्यू नहीं है बल्कि नेशनल सिक्योरिटी रिलेटिड इश्यू है। The entire House should speak with one voice. If the Chair has allowed some Member to raise the issue and the hon. Member has raised that issue and some more Members have joined him and expressed their solidarity on that issue and then wanted the Government to respond, then I also stood up and said again that once the encounter is over, the Home Minister will make a statement in the House. That is what I have said. Firstly, there is nothing wrong done by the Government. Secondly, now it is very unfair, with all my respect to Kharge Ji, that at this hour when the encounter is going on, trying to find fault with the Government about intelligence failure is not done. Kharge Ji, what I request you is that let the encounter be over. The Home Minister will make a statement. Let the House discuss it threadbare. Let us have all other views. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपको नहीं बोल रहे हैं। मुझे उत्तर देना है, इनकी बातों का। I will do that.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपकी बातों का जवाब मैं दूँगी।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Now, this is not the time to score political points over this issue. This is what I am trying to appeal. ...(*Interruptions*)

Secondly, Madam Speaker, Speaker need not explain why the Speaker is allowing anybody or not allowing anybody. ...(*Interruptions*) We wanted the House to be in order. Who is responsible for the House not to be in order? People who created that situation cannot find fault with the Speaker. ...(*Interruptions*) They created this situation. They did not allow their leaders to speak. How can they now find fault with the Speaker? ...(*Interruptions*) I would request them to please ponder over this, introspect and let us not create such situation. You cannot eat the cake and have

it again. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी ने अपनी बात कही है। बात ठीक है। एक बात आप सब लोग भी समझ लें। श्री चन्दूमाज़रा जी गुरुदासपुर से आ रहे हैं, उन्होंने कहा था। मगर उसके बाद मैंने जीतेन्द्र जी को भी कहा था कि इस इश्यू पर जब तक आपके लोग वेल में हैं, आप नहीं बोलेंगे। मैंने आपको भी मना किया।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उस वक्त भी मैंने यही कहा था।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसलिए आपको भी अलाऊ नहीं किया और आपको भी वही कहा था। मैंने जीतेन्द्र जी को भी कहा था, मैंने उन्हें भी यही बात कही कि आप हाई के इश्यू के बारे में कहना चाहते हैं, तो भले ही आपके लोग कहें, लेकिन लोग वेल में भी खड़े हैं और आप कहेंगे, मैंने इनको भी अलाऊ नहीं किया।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : The same thing मैंने आपको भी कहा था कि जब तब आपके आपके लोग वेल में हैं I just cannot allow. That was the only thing. आपके लिए मैंने कहा था कि आप इनको वापस ले लें, तो आपको भी बोलने की अनुमति मिलती। वह मैं दे रही थी। मगर वह नहीं हुआ है। Now, the matter is over.

अब बात यह है कि जैसा हमारे पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर ने कहा कि जब तक यह मामला वहाँ समाप्त न हो जाए, तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता है। जैसे ही वहाँ सब कुछ शांत हो जाएगा, वहाँ क्या हुआ, क्या नहीं हुआ, उसके बारे में बाद में होम मिनिस्टर आकर बोलेंगे। उस समय आप एकाध प्रश्न पूछ लें। हालांकि वह पद्धति भी लोक सभा में नहीं है। मगर जैसा आप लोग तय करेंगे, उस समय मैं जरूर देखूँगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्या कहना चाहते हैं? यह ज़ीरो आवर थोड़े ही चल रहा है? About what do you want to speak?

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी (महबूबनगर): जब हम लोग प्रोटेस्ट कर रहे थे, तब मंत्री जी ने बताया कि होम मिनिस्टर आकर यहाँ पर स्टेटमेंट दे रहे हैं, गुरुदासपुर में जो इंसीडेंट हुआ है। हमने भी बताया कि हमें भी सभा की मर्यादा मालूम है।

HON. SPEAKER: But protest and speech cannot go together.

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी : हमें अफसोस है कि वहाँ पर जो हो रहा है, यदि होम मिनिस्टर आकर स्टेटमेंट देंगे, तो हम लोग सब उसका वेलकम करेंगे। हम लोग प्रोटेस्ट बंद करेंगे।

माननीय अध्यक्ष : अभी भी आप यह लेकर खड़े हैं। आपको वास्तव में बोलने का अधिकार नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी: जब गृह मंत्री जी आएंगे, तब हम प्रोटेस्ट बंद करेंगे, ऐसा हमने कहा था मैडम। लेकिन उससे पहले, जब वे आएंगे, तो सभा की मर्यादा के हिसाब से हम करेंगे। लेकिन आज जो हो रहा है, हरेक चीज में आप खुद देख रहे हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह डिस्कशन का इश्यू ही नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now, Matters under Rule 377.

...(*Interruptions*)

14.13 hrs

At this stage, Shri Balka Suman, Shri Kodikunnil Suresh

and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is not the issue. आपको जो करना है, मैंने पहले ही कहा कि posters are not allowed.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप रूल के अगेंस्ट कुछ भी करते रहें, यह नहीं होगा। I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका व्यवहार रूल्स के अगेंस्ट है। This will not do. I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप पोस्टर भी दिखाते रहें और यह भी करें, it will not be allowed.

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी : मैडम, देश के लिए हम लोग सब एक हैं।...(व्यवधान)